**5.4.1 - पूर्वच्छात्रसङ्घः (पञ्जीकृतः कार्यं कुर्वन् च) विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु आर्थिकयोगदानेन अन्यैः उपायैश्च संस्थायाः उन्नत्यर्थं सार्थकतया प्रयतमानः विद्यते।**

उपर्युक्ताः सर्वे अंशाः सन्ति।

1. **पूर्वतन छात्रैः सह सम्पर्कः**

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य छात्रसंघः एवं अत्यन्त सक्रियः अस्ति। छात्रचरसंघः नाम प्राचीन छात्राणां, वर्तमानछात्राणां समूहः। प्राचीनछात्रेभ्यः सर्वदा सम्पर्क सम्पायितुं Online Platform इत्यस्य विनियोगः क्रियते। तदर्थं विश्वविद्यालयेन facebook एवं You Tube Accounts निष्कास्य, तद्वारा अस्म्बद्धानां अत्यन्तं पुरातन छात्राणां (येषां contact number न लब्धं) तैस्सह सम्बन्धं कल्पयितुं अयं सुगमोवकाशः।

2. **पूर्वतन छात्राणां प्रभावः**

यहो हि अस्य विश्वविद्यालयस्य अनेके पुरातानाः छात्राः देशस्य विभिन्न विद्यासंस्थासु कुलपतित्वेन, निदेशकत्वेन, स्वकीयां सेवां समर्पयन्तः सन्ति। केचन पूर्वतनछात्रसङ्घस्य नायकाः मठाधिपतये भूत्वा, भारतीयधर्मवैभवं आप्रपञ्चं विस्तारयन्तः सन्ति। केचन राज्यशासने, केन्द्रीयशासने च मन्त्रिणः भूत्वा स्वकीयां प्रजासेवां विद्धति। केचन अनेक विश्वविद्यालयेषु आचार्यपदवीं च अलंकुर्वन्ति।

एते सर्वे विश्वविद्यालयस्य प्रगतिं यथा विज्ञातुं प्रभवन्ति, तथा Platform निर्मातुं प्रयत्नशील अस्ति विश्वविद्यालयः। ते पूर्वतनाः छात्राः स्वकीय योगदानं व्यक्तिशः अपि दातुं प्रभवन्ति।

3. **छात्राणां भूमिका**

विश्वविद्यालयपरिसरे यदायदा विशिष्टाः कायक्रमाः सञ्चाल्यन्ते, तदातदा स्थनीयाः पूर्वतनछात्राः, एवं समीपस्थाः पूर्वतनछात्राश्च स्वकीया प्रेरणया आगत्य स्वकीया योगदानं यच्छान्ति।

अस्माकं विश्वविद्यालयस्य दीक्षान्तसमारोहे, शिष्टमण्डले छात्राणां तेषामेव प्रतिनिधित्वं वर्तते। ते एव अग्रेसराः भूत्वा स्वागत प्रभृति धन्यवाद पर्यन्तं सर्वमपि

कार्यक्रमं निर्वहन्ति। केवलं दीक्षान्त समारोहे एव न, विश्वविद्यालयस्य स्थापन दिनोत्सवे, एवमितरेषु च तेषामेव मुख्यभूमिका भवति।

**4. छात्रसंघस्य निर्वाचनम्**

एवं छात्रसङ्घस्य सङ्घटनावसरे सर्वथा विश्वविद्यालयः पारदर्शिता मेव दर्शयति। तत्रैको निर्वाचनाधिकारी सर्वां प्रक्रिया निर्वहति। तत्र छात्रपरिषदः कार्यदर्शपदवी, महामन्त्रिपदवी, कोषाध्यक्षपदवी इत्यादिषु निर्वाचनं निर्वाचनाधिकारी महोदयानां आध्यक्ष्ये यथानियमं प्रतिवत्सरं भवति।

**5. छात्रसंघस्य अभियानानि**

अयञ्च वर्तमानः छात्रसङ्घः स्वकीय विद्याभ्यासेन सह ''स्वच्छभारत'' इमे वत् स्वच्छ सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयस्य परिसरः इत्यभियानस्य अन्तर्गतरूपेण परिसरेषु स्वच्छताकार्यक्रमाणां आयोजनमपि करोति।

**6. शिकायत निवारणम्**

अयं यः सङ्घः, पूर्वतनछात्राणां नवीनछात्राणां सेतुरिव कार्यं करोति। अल्पाः अल्पाः समस्याः प्राचीनछात्रा एव निवारयन्ति। समस्यायां बृहत्भूतायां तु प्राक्टोरियल बोर्ड, एवं प्रतिपादकमण्डलिः, शिकायतनिवारण प्रकोष्ठादि सुव्यवस्था विश्वविद्यालये कल्पिता वर्तते। तत्र सर्वत्रापि छात्रसंघस्य महती भूमिका वर्तते।

यतोहि पूर्वतनछात्रसंघ एव विश्वविद्यालयस्य मुख्या सम्पद्। विशविद्यालयीय गौरवं स्वभुजेषु ऊट्वा संस्कृतसेवां करोतीति मोदावहो विषयः।

विश्वविद्यालयस्य शिकायत निवारण प्रकोष्ठे छात्राणां भूमिका महती वर्तते।

2019 वत्सरे सुश्री अन्नपूर्णा कुमारी (आचार्य द्वितीय सेमेस्टर-साहित्यविभाग) सदस्यत्वेन।

2020 वत्सरे अमित तिवारी (आचार्य तृतीय सेमेस्टर व्याकरण विभाग) सदस्यत्वेन

शुश्री विभा यादव (आचार्य तृतीय सेमेस्टर साहित्य विभाग) सदस्यत्वेन

2018 वत्सरे शशिकला पटेल (आचार्य द्वितीय साहित्यविभाग) सदस्यत्वेन समितिषु नियोजिताः।

7. इत्येवं रीत्या प्रतिवत्सरं नूतनाः नूतनाः छात्राः सदस्याः भवन्ति जे इतरेषां छात्राणां समस्यादिकं वारयितुं स्वकीय समपर्णभावं प्रकटयन्ति।

QlM

## 5.4.1 – पूर्व छात्रसंघ ;पंजीकृत तथा कार्य करता हुआ विगत पाँच वर्षों में आर्थिक योगदान के द्वारा तथा अन्य उपायों के द्वारा संस्था की उनति के लिए सार्थकता से प्रयासरत है।

उपर्युक्ताः सर्वे अंशाः सन्ति।

5.4.1 पूर्वछात्रसंघ (पंजीकृत और कार्यरत) विगत पांच वर्षों से वित्तीय योगदान व अन्य माध्यमों से संस्था की उन्नति के लिए सार्थक प्रयास कर रहा है।

### 1. पुरातन छात्रों से सम्पर्क

- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का छात्रसंघ इस प्रकार अत्यन्त सक्रिय है इसमें प्राचीन छात्रों एवं वर्तमान छात्रों का समूह है। प्राचीन छात्रों से सर्वदा संपर्क बनाए रखने हेतु ऑनलाइन प्लेटफार्म का प्रयोग किया जा रहा है। यह सभी छात्र विश्वविद्यालय की प्रगति को जानने के लिए किसी मंच के निर्माण के लिए प्रयत्नशील है। इसमें, पुरातन छात्र अपना व्यक्तिगत योगदान करने की योग्य अवसर मिलता है।
- इसके लिए विश्वविद्यालय के द्वारा facebook एवं Youtube account बनाकर उसके द्वारा ऐसे पुरातन छात्र (जिनका संपर्क सूत्र उपलब्ध नहीं है) उनके साथ संपर्क बनाने के लिए यह एक सुगम मार्ग है।

### 2. प्राचीन छात्रों का प्रभाव–

- इस विश्वविद्यालय के बहुत से पुराने छात्र देश के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में कुलपति एवं निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

### 3. कुलपति

- जैसे प्रो0 राजा राम शुक्ल जी इसी इसी विश्वविद्यालय का विद्यार्थी थे। पश्चात इसी विश्वविद्यालय में अध्यापक भी रहे तथा इसी विश्वविद्यालय का कुलपति भी बने हैं। इनके कार्य काल में परिसर में शुशोभित पंच देव मन्दिर एवं वागदेवी मन्दिर का जिर्णोधार हुआ है।

- वर्तमान में कवि कुलगुरू कालिदास सस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक नागपुर महाराष्ट्र के कुलपति पद पर शोभानवित है।

### 4. भासक

- कुछ छात्र राज्य शासन व केन्द्रशासन में मंत्री होकर जनता की सेवा कर रहे हैं।
- **माननीय नीलकंठ तिवारी** वाराणसी दक्षिणी विधान सभा के विधायक उत्तर प्रदेश सरकार में सेवा दे रहे है।
- **दया भांकर मिश्र** आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार में सेवा दे रहे है। इनके द्वारा परिसर में स्थित योग साधना केन्द्र के मरम्मत कराया गया है

### 5. आचार्य

- कुछ अनेक विश्वविद्यालयों में आचार्य के पद पर अलंकृत है इनकी संख्या अनेक है। इनका भी आर्थिक एवं शैक्षणिक योगदान है।

### 6. पद्मभूशण

- इस विश्वविद्यलय का छात्र भारत के अत्यन्त गौरवान्वित पुरस्कार पद्मभूषण से भी अलंकृत होकर इस विश्वविद्यालय की शोभा बढ़ा रहे है।

### 7. वर्तमान छात्र का योगदान

विश्वविद्यालय के छात्र उनके निजी धन से परिसर में स्थित प्रतिमाओं का शुद्धीकरण कार्य कराया गया।

### 8. का□ी वि□वनाथ न्यास परिशद्

इसी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र वर्तमान में काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के अध्यक्ष **प्रोफेसर नागेंद्र पाण्डेय** जी के द्वारा विश्वनाथन मंदिर के अक्षय पत्र योजना अंतर्गत अनेक छात्रों का मध्यान भोजन का व्यवस्था किया गया है साथ ही साथ उनके वस्त्र आदि की भी व्यवस्था हुई है एवं मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए काशी विश्वनाथ न्यास परिषद द्वारा एक प्रस्ताव भी स्वीकार किया है।

### 9. मठाधी□ा

- **विहंगम योग के संस्थापक स्वर वेद मंदिर के अधिष्ठाता स्वामी श्री विज्ञान देव जी महाराज** के द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों को ग्रन्थ एवं सहायक समाग्रियां प्रदान की गई है।
- कुछ पूर्व छात्र व छात्र संघ के प्रतिनिधी वर्तमान समय में मठाधीश या धर्मप्रचारक बनकर भारतीय धर्म वैभव का सारे संसार में विस्तार कर रहे हैं।
- जगतगुरू स्वामी श्री अविमुक्तानन्द सरस्वती शंकराचार्य महाराज ज्योतिर्पीठाधीश रूप में जन कल्याण कर रहे है।

NEW
V.

जयतु संस्कृतम् !! ।।श्रीः।। जयतु भारतम् !!

5.4.1

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

# पुरातन छात्र सम्मेलन

**09 जुलाई, 2023, रविवार**

प्रतिष्ठा में,

~~डॉ० त्रिपुरारी पाठकजी~~
~~आदर्श सं० म० वि० गाजीपुर~~
(उ०प्र०)

प्रेषक :-
**प्रदीप कुमार पाण्डेय (साजू)**
पूर्व महामंत्री छात्रसंघ
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
मो0 : 9026592992

जयतु संस्कृतम् !!

।।श्री गणेशाय नमः।।

जयतु भारतम् !!

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

# पुरातन छात्र सम्मेलन

## 09 जुलाई, 2023, रविवार

विषय :-

नेतृत्व कौशल की नर्सरी (छात्रसंघ)

मान्यवर,

हर्षोल्लास के साथ सूचित किया जाता है कि पूर्व छात्रसंघ के नेतृत्व में विश्वविद्यालयीय **'पुरातन छात्र सम्मेलन'** का आयोजन **'पाणिनि भवन सभागार'** में दिनाङ्क 07 जुलाई 2023 शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे से किया जा रहा है।

समारोह में आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

**-: संयोजक मण्डल :-**

गिरजा नन्द चौबे (पूर्व अध्यक्ष)
रमाकान्त पाण्डेय (पूर्व अध्यक्ष)
अभिषेक द्विवेदी 'गणेश' (पूर्व अध्यक्ष)
प्रान्जल पाण्डेय (पूर्व अध्यक्ष)

जनक नन्दनी शरण 'बाबा' (पूर्व उपाध्यक्ष)
मंगल यादव (पूर्व उपाध्यक्ष)
रनजीत तिवारी (पूर्व उपाध्यक्ष)

रेवतीरमण त्रिपाठी (पूर्व महामंत्री)
मृगेन्द्र तिवारी (पूर्व महामंत्री)
नरेन्द्र मिश्र (पूर्व महामंत्री)
देव नारायण पाण्डेय (पूर्व महामंत्री)

साकेत शुक्ल (वरि० छात्र नेता)
गणेश गिरी (वरि० छात्र नेता)
रामदयाल पाण्डेय (वरि० छात्र नेता)
राहुल उपाध्याय (वरि० छात्र नेता)
धीरज शुक्ल (छात्र नेता)

स्वागतकर्ता

कृष्ण मोहन शुक्ल (अध्यक्ष), शिवम् चौबे (महामंत्री)
आशुतोष कुमार मिश्र (पुस्तकालय मंत्री)
अजय मिश्र व्यास, जगदम्बा प्रसाद मिश्र (बल्ली)
सुधीर कुमार पाण्डेय (नागा बाबा)

निवेदक -
समस्त छात्र-छात्रायें

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र वर्तमान में सुमेरू पीठ के पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी उपस्थित रहे।

दि0 09.07.2023 छात्र संघ का समावेश में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र वर्तमान में विविध विश्वविद्यालय में कार्यरत वारिष्ठ आचार्यो का समूह

[पुरातन छात्र सम्मेलन 09 जुलाई 2023"सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयवाराणसी" #SSVV RAVIDIXITSSVV - YouTube]

आचार्य बालकृष्ण जी इस विश्वविद्यालय के  पूर्व छात्र एवं वतर्मान मे पतंजली ब्रांड के मालिक।

प्रो0 नागेन्द्र कुमार पाण्डेय जी इस विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र एवं अध्यापक वर्तमान में काशी विश्वनाथ न्यास परिषद् के अध्यक्ष।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

कुलपति जी के कर कमलो द्वारा पुरातन छात्र संघ को सम्मान 25.10.2019

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

पुरातन छात्र एवं पूर्व कुलपति प्रो हरे राम त्रिपाठी वर्तमान मे कविकुल गुरू कालिदास सस्कृत विश्वविद्यालय का कुलपति

पुरातन छात्र वर्तामान में आयुष खाद्यय सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन राज्य मन्त्री उ0प्र0 आदरणीय दया शंकर मिश्र के द्वारा योग साधना केन्द्र का मरम्मत कराया गया।

पुरातन छात्र वर्तामान में वाराणसी दक्षिणी विघान सभा के विधायक आदरणीय नील कंठ तिवारी जी द्वारा विश्वविद्यालय को सहयोग प्राप्त हुआ

पुरातन छात्र वर्तमान में विहंगम योग के सस्थापक स्वर वेद मंदिर के अधिष्ठाता स्वामी श्री विज्ञान देव जी महाराज के द्वारा ग्रन्थो एवं पठन पाठन संबंधि सामाग्री प्रदान की गई

पुरातन छात्र वर्तमान में काशी विश्वनाथ न्यास परिषद् के सदस्य प्रो0 बृज भूषण ओझ बी.एच.यू.